

**महंगाई स्त्री.** (तद्.) 1. पहले की अपेक्षा अधिक कीमत पर वस्तुयें बिकने की स्थिति 2. वह भत्ता जो महंगाई के कारण वेतन के अतिरिक्त दिया जाता है।

**महंगी स्त्री.** (तद्.) 1. महंगा होने की स्थिति, भाव 2. वस्तुओं के भाव बढ़े हुए होने की स्थिति 3. जिसकी कीमत सामान्य से अधिक हो।

**महक स्त्री.** (अर.) 1. फूल आदि सुगंधित पदार्थों की दूर तक फैलने वाली गंध, सुगंध, सुवास 2. सोना, चाँदी आदि परखने की कसौटी, निकष।

**महकना अ.क्रि.** (देश.) सुगंध का फैलाना, सुवास का फैलाना, खाना पकाने की क्रिया में मसाले महकते हैं।

**महकमा पुं.** (अर.) औपचारिक काम-काज का कार्यालय, जिसमें काम करने के लिए वेतन प्राप्त होता है।

**महकीला वि.** (देश.) सुगंध फैलाने वाला, महक फैलाने वाला, सुवासित करने वाला।

**महच्छक्ति स्त्री.** (तत्.) वह शक्ति जो सामान्य से काफी बड़ी हो, महाशक्ति, विशाल कार्यो को संपन्न करने वाली शक्ति।

**महज वि.** (अर.) 1. वस्तु का गुण 2. माप बोधक शब्द 3. मात्र, केवल, सिर्फ उदा. महज शुक्रिया अर्थात् केवल धन्यवाद क्रि.वि. बिल्कुल, नितांत।

**महज्जन पुं.** (तत्.) 1. आम आदमी नहीं खास आदमी, महान व्यक्ति 2. बड़े लोग 3. आदरणीय लोग, महापुरुष।

**महतवान् पुं.** (देश.) कपड़ा बुनने के करघे में पीछे लगी एक खूँटी, जिसमें एक डोर बाँधी जाती है, यह खूँटी ताने को पीछे खींचती रहती है।

**महता पुं.** (देश.) बिरादरी का प्रधान, चौधरी, गाँव का मुखिया।

**महताब पुं.** (फा.) सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित एक ग्रह जो पूर्णिमा की रात को संपूर्ण रूप में दिखाई देता है और अमावस्या की रात को प्रकट

नहीं होता, चंद्रमा, चाँद, शशि आदि नामों से भी जाना जाता है, इसकी रोशनी 'चाँदनी' है।

**महताबी वि.** (फा.) 1. एक प्रकार की आतिशबाजी, जिसमें चाँदनी- सी छिटक जाती है 2. कोठी की सीढ़ियों पर बनने वाला छोटा गोल बरामदा 3. बगीचे में बना हुआ एक प्रकार का चबूतरा, छतरी।

**महतारी स्त्री.** (देश.) माँ, माता।

**महती वि.** (तत्.) 1. बड़ी 2. श्रेष्ठ 3. प्रधान स्त्री. महत्व, महत्ता 2. वीणा 3. सौ तारों वाली वीणा 4. देवर्षि नारद की वीणा का नाम 5. भाद्र शुक्ल द्वादशी को महती द्वादशी कहते हैं।

**महत् वि.** (तत्.) 1. महान, बड़ा, पूज्यनीय 2. बहुत, विपुल 3. लम्बा चौड़ा, बृहत 4. शक्तिशाली, बलवान 5. बहुत महत्व वाला 6. प्रसिद्ध 7. श्रेष्ठ।

**महत्तम वि.** (तत्.) 1. सबसे बड़ा 2. सबसे अधिक, गणित में दी हुई राशियों अथवा संख्याओं को पूरी तरह वे विभाजित करने वाली सबसे बड़ी संख्या अथवा राशि को, उन संख्याओं का महत्तम समापवर्तक कहा जाता है।

**महत्तर वि.** (तत्.) 1. दो वस्तुओं अथवा पदार्थों में उत्तम, बड़ा अथवा श्रेष्ठ 2. ग्राम का मुखिया 3. किसी बिरादरी या बस्ती का प्रमुख 4. प्रधान।

**महत्ता स्त्री.** (तद्.) 1. बड़ाई, महत्व 2. गुण-धर्म में वृद्धि, गुणों की व्यापकता।

**महतो पुं.** (देश.) 1. गाँव का प्रधान, महता 2. पालकी उठाने वाले लोग, कहार।

**महत्तत्त्व पुं.** (तत्.) 1. सांख्य शास्त्र के अनुसार पच्चीस तत्त्वों में से दूसरा तत्व, बुद्धितत्त्व 2. सृष्टि के विकास में मूल प्रकृति का पहला विकार।

**महत्तव पुं.** (तत्.) 1. महानता का भाव, बड़प्पन 2. विशालता का भाव 3. श्रेष्ठता 4. गुरुता 5.